पेज 265

प्रश्न 1:

विद्युत जनित्र का सिद्धान्त लिखिए।

उत्तर 1:

विद्युत जनित्र, विद्युतचुंबकीय प्रेरण की परिघटना पर आधारित है। इसमें यांत्रिक ऊर्जा का उपयोग चुंबकीय क्षेत्र में रखे किसी चालक को घूर्णी गति प्रदान करने में किया जाता है जिसके फलस्वरूप विद्युत धारा उत्पन्न होती है।

प्रश्न 2:

दिष्ट धारा के कुछ स्रोतों के नाम लिखिए।

उत्तर 2:

दिष्ट धारा के कुछ स्रोतों के नाम निम्नलिखित हैं:

- शुष्क सेल,
- बैटरी,
- डेनियल सेल,
- वोल्टीय सेल, आदि।

प्रश्न 3:

प्रत्यावर्ती विद्युत धारा उत्पन्न करने वाले स्रोतों के नाम लिखिए।

उत्तर 3:

प्रत्यावर्ती विद्युत धारा उत्पन्न करने वाले स्रोतों के नाम निम्नलिखित हैं:

- विद्युत शक्ति संयंत्र,
- ए. सी. विद्युत जनित्र

प्रश्न 4:

सही विकल्प का चयन कीजिए –

तांबे के तार की एक आयताकार कुंडली किसी चुंबकीय क्षेत्र में घूर्णी गति कर रही है। इस कुंडली में प्रेरित विद्युत धारा की दिशा में कितने परिभ्रमण के पश्चात परिवर्तन होता है?

(a) दो (b) एक (c) आधे (d) चौथाई

उत्तर 4:

(c) आधे